विधान सभा प्रश्न

विभाग का नाम	:	बहुउद्देशीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा
प्रश्न संख्या अतारांकित	:	1895
उत्तर की तिथि	:	28.02.2022
विषय	:	टावर लाइन
प्रश्नकर्त्ता का नाम	:	श्री जगत सिंह नेगी (किन्नौर)
सम्बन्धित मन्त्री	:	बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा

	प्रश्न	**उत्तर**
(क)	नाथपा से पूह–काजा टावर लाइन का कार्य किस वर्ष आरम्भ किया गया; इसकी कुल कितनी लम्बाई है; इस पर कुल कितनी धनराशि व्यय की जा चुकी है व कितनी शेष है; यह कार्य कब तक पूर्ण कर दिया जाएगा;	नाथपा से पूह–काजा 66 के0वी0 लाइन का कार्य सन् 1997–98 में आरम्भ हुआ। जिसके लिए टावर मैटिरियल खरीदा गया परन्तु जुलाई, 2000 में अचानक सतलुज नदी में बाढ़ आने के कारण वांगतू स्थित स्टोर में रखा गया टावर मैटिरियल बह गया। तत्पश्चात टावर लाइन भोक्टू से पूह तथा पूह से काजा बनानी तय हुई। इसकी कुल लम्बाई लगभग 202 कि0मी0 है जिसमें से अक्पा से पूह तक तथा पूह से काजा के बीच तीन ग्लेशियर ज़ोन में टावर लाइन लगाई जा चुकी है जिसका ब्यौरा निम्नलिखित हैः– **भोक्टू से अक्पा** तक 13.8 कि0मी0 लम्बी लाइन (66 के0वी0 लाइन charged on 22 के0वी0) का कार्य दिसम्बर, 2006 में पूर्ण कर लिया गया जिस पर 6.90 करोड़ रू0

		की धनराशि व्यय हुई। बाद में जुलाई, 2017 में अक्पा में 66/22 के0वी0 सब–स्टेशन बन जाने के बाद इस लाइन (भोक्टू से आक्पा) को 66 के0वी0 पर चार्ज कर दिया गया। **<u>अक्पा से पूह</u>** तक लगभग 34.6 कि0मी0 लम्बी लाइन (66 के0वी0 लाइन charged on 22 के0वी0) का कार्य दिसम्बर, 2015 में पूर्ण किया गया जिस पर 23.95 करोड़ रू0 खर्च हुए। **<u>पूह से काजा</u>** के मध्य निम्नलिखित तीन ग्लेशियर जोन में 42 टावरज़ पर 12.8 कि0मी0 लम्बी लाइन 22 के0वी0 (22 के0वी0 लाइन on 66 के0वी0 टावर) का कार्य वर्ष 2010 में शुरू करके 2015 में पूर्ण किया गया जिस पर कुल 5.87 करोड़ रू0 की धनराशि व्यय हुईः– 1. खाब से का (किन्नौर) = 3.30 कि0मी0 = 13 टावर 2. पौ से सिचलिंग (स्पिति) = 7.30 कि0मी0 = 21 टावर 3. लिंगटी से लेदांग(स्पिति)= 2.20 कि0मी0 = 8 टावर **कुल = 12.8 कि0मी0 = 42 टावर** इस प्रकार भोक्टू से काजा के बीच अब–तक कुल 61.20 कि0मी0 लम्बी टावर

		लाइन का कार्य 36.72 करोड़ रू0 की लागत से किया जा चुका है तथा कोई भी राशि बकाया नहीं है।
(ख)	इस टावर लाइन को स्पीलो में व श्यासो खड्ड पर स्टेप डाउन करना था; यह कार्य क्यों नहीं किया जा रहा है; और	स्कीम में ऐसा कोई भी प्रावधान नहीं है।
(ग)	पूर्व में लाइन पर टावर्ज़ किन कारणों से गिरे व इन्हें ठीक करने हेतु क्या पग उठाए गए; ब्यौरा दें?	जून, 2013 में बे–मौसमी बर्फ व बारिश तथा भू–स्खलन एवं भारी चट्टानों व पत्थरों के खिसकने के कारण टावर क्षतिग्रस्त हुए और इस क्षतिग्रस्त टावर लाइन का नए सिरे से पुनःनिर्माण कार्य वर्ष 2015–16 में पूर्ण कर दिया गया है।

***